# हिंदी पखवाड़ा समारोह 2025

प्लाज़्मा अनुसंधान संस्थान (आईपीआर) में दिनांक **16 सितंबर 2025 से 26 सितंबर 2025** तक **हिंदी पखवाड़ा समारोह 2025** का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया गया, जिनमें वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रशासनिक कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर हिंदी के प्रति अपनी अभिरुचि और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

पखवाड़े की शुरुआत **16 सितंबर 2025** को एक विशेष व्याख्यान से हुई, जिसका विषय था – *"आइए परमाणु ऊर्जा विभाग को जानें"*। यह व्याख्यान परमाणु ऊर्जा विभाग, मुंबई के निदेशक (राजभाषा) **श्री अचलेश्वर सिंह** द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने परमाणु ऊर्जा विभाग की संरचना, कार्यप्रणाली, उपलब्धियों तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार में इसकी भूमिका पर अत्यंत प्रभावशाली रूप से प्रकाश डाला। उनका व्याख्यान सभी के लिए प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक रहा। इस कार्यशाला में ओफलाइन तथा ऑनलाइन माध्यम से बड़ी संख्या में संस्थान के कर्मियों की भागीदारी रही ।

श्री अचलेश्वर जी, निदेशक (राजभाषा) व्याख्यान देते हुए

इसके पश्चात् **17 सितंबर 2025** को संस्थान के सेमिनार हॉल, एफसीआईपीटी एवं ईटर-भारत कार्यालयों में **टिप्पण, पत्र लेखन एवं अनुवाद प्रतियोगिता** आयोजित की गई, जिसमें कुल **75 प्रतिभागियों** ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को विभिन्न प्रशासनिक कार्यों पर आधारित टिप्पण, पत्र लेखन तथा हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद संबंधी प्रश्नों पुछे गए। यह प्रतियोगिता प्रतिभागियों के कार्यालयीन हिंदी लेखन कौशल को परखने और निखारने का एक प्रभावी माध्यम सिद्ध हुई।

**18 सितंबर 2025** को *"चित्र देखो कहानी लिखो"* प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें **86 प्रतिभागियों** ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को एक चित्र दिखाकर उसके आधार पर कल्पनाशील एवं रचनात्मक हिंदी कहानी लिखने का अवसर दिया गया। प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशक्ति और लेखन कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

**19 सितंबर 2025** को हिंदी **निबंध लेखन प्रतियोगिता** का आयोजन हुआ, जिसमें कुल **69 प्रतिभागियों** ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने राजभाषा का तकनीकी विकास तथा इसके विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रभावी रूप से व्यक्त किए। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों में हिंदी में विचार अभिव्यक्ति की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना था।

**22 सितंबर 2025** को हिंदी **प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता** आयोजित की गई, जिसमें कुल **185 प्रतिभागियों** ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता मोबाइल ऐप *Quizizz* के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की गई, जिसमें 40 प्रश्न पूछे गए। प्रतिभागियों ने अपने

मोबाइल के माध्यम से निर्धारित समय में प्रश्नों के उत्तर दिए। तकनीकी माध्यम से आयोजित यह प्रतियोगिता सभी के लिए रोचक एवं ज्ञानवर्धक रही।

**23 सितंबर 2025** को हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत एक और विशेष कार्यक्रम — **"हिंदी कार्यशाला – विशेष व्याख्यान"** आयोजित किया गया, जिसका विषय था *"रवैया: सहयोग, संवाद और सफलता"*। इस कार्यशाला में वक्ता के रूप में **सुश्री प्रीति पाठक**, ग्लोबल ट्रेनिंग लीडर, मोटिवेशनल स्पीकर एवं कहानीकार उपस्थित रहीं। उन्होंने कार्यस्थल पर संवाद, सहयोग एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर प्रेरक व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस व्याख्यान में बड़ी संख्या में संस्थान के कर्मी उपस्थित रहें ।

सुश्री प्रीति पाठक व्याख्यान देते हुए

**24 सितंबर 2025** को **"आशुभाषण प्रतियोगिता"** का आयोजन किया गया, जिसमें कुल **24 प्रतिभागियों** ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को दिए गए विषय पर सीमित समय में अपने विचार व्यक्त करने थे। प्रतिभागियों ने सहजता, आत्मविश्वास और भाषा-प्रवाह का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

**25 सितंबर 2025** को **स्व-रचित हास्य कविता पाठ प्रतियोगिता** आयोजित की गई, जिसमें कुल **21 प्रतिभागियों** ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने हिंदी कविताओं का सुमधुर एवं प्रभावशाली पाठ किया। इस प्रतियोगिता ने न केवल साहित्यिक अभिरुचि को बढ़ावा दिया बल्कि हिंदी भाषा के सौंदर्य का भी परिचय कराया।

हिंदी पखवाड़े का समापन **26 सितंबर 2025** को **गीत गायन प्रतियोगिता** के साथ हुआ, जो दोपहर 3:00 बजे से 5:00 बजे तक आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में कुल **15 प्रतिभागियों** ने भाग लेकर हिंदी गीतों की मधुर प्रस्तुति दी। पूरे पखवाड़े के दौरान संस्थान का वातावरण हिंदीमय रहा।

पखवाड़े का समापन **दिनांक 6 अक्टूबर 2025** को एक विशेष कार्यक्रम *"चाय पर चर्चा"* एवं **पुरस्कार वितरण समारोह** के साथ किया गया। इस अवसर पर "भारत, पावर ग्रिड में फ्यूजन पावर डालने वाला विश्व का पहला देश कैसे बन सकता है?" विषय पर एक **पैनल चर्चा (Panel Discussion)** आयोजित की गई, जिसमें **डॉ. जॉयदीप घोष**, **डॉ. विपुल तत्रा**, **डॉ. इंद्रनील बंधोपाध्याय**, **डॉ. अनिल भारद्वाज** तथा **डॉ. मैनाक बंधोपाध्याय** ने पैनल सदस्य के रूप में सहभागिता की। इस चर्चा के दौरान वक्ताओं ने आई.पी.आर. की भावी योजनाओं, फ्यूजन ऊर्जा के अनुसंधान क्षेत्र में भारत की भूमिका तथा ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। यह सत्र ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और संवादपूर्ण रहा। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा पखवाड़े के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

हिंदी पखवाड़ा समारोह 2025 के अंतर्गत आयोजित सभी कार्यक्रमों ने संस्थान में हिंदी भाषा के प्रयोग, अभिव्यक्ति और रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया। कर्मचारियों की उत्साही भागीदारी एवं सकारात्मक दृष्टिकोण से यह पखवाड़ा अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा।

हिंदी पखवाड़ा समारोह
GLOBUS

14 सितंबर 2025 से 26 सितंबर
GLOBUS